पंजाब केसरी
WED,11 FEBRUARY 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

डी.ई.एल.ई.डी. काऊंसलिंग के दूसरे चरण का आयोजन

बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं

धर्मशाला, 10 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा डी.ई.एल.ई.डी. प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण के दूसरे राऊंड का सफल आयोजन किया गया। विशेष काऊंसलिंग का उद्देश्य उन पात्र अभ्यर्थियों को एक और अवसर प्रदान करना है, जो शिक्षण क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर केवल व्यक्तिगत प्रगति का नहीं, बल्कि मेहनत और समर्पण के जरिए समाज सेवा की ओर कदम बढ़ाने का माध्यम है।

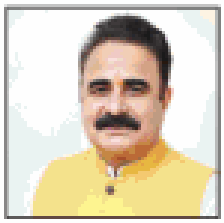

उन्होंने अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षक बनने के संकल्प को केवल रोजगार से न जोड़ें, बल्कि इसे समाज और प्रदेश निर्माण की एक बड़ी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। काऊंसलिंग के दौरान मानवीय संवेदनाओं की एक मिसाल भी देखने को मिली। प्रदेश के दुर्गम और दूर-दराज के क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डा. राजेश शर्मा ने वहां उपस्थित सभी परीक्षार्थियों के लिए दोपहर के भोजन का प्रबंध किया। विशेष बात यह रही कि भोजन की इस व्यवस्था का पूरा खर्च डा. राजेश ने स्वयं वहन किया।

Dainik Jagran 11-02-2026

डीएलएड अभ्यर्थियों के लिए डा. राजेश ने की भोजन की व्यवस्था

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण के दूसरे राउंड का आयोजन किया गया। इस विशेष काउंसिलिंग का उद्देश्य उन पात्र अभ्यर्थियों को एक और अवसर प्रदान करना है, जो शिक्षण क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं।

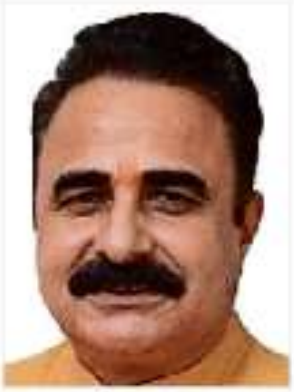

राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अभ्यर्थियों का आह्वान किया कि वे शिक्षक बनने के संकल्प को केवल रोजगार से न जोड़ें, बल्कि इसे समाज और प्रदेश निर्माण की एक बड़ी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें।

प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दोपहर के भोजन का प्रबंध किया गया। इस व्यवस्था का खर्च डा. राजेश शर्मा ने वहन किया। युवाओं ने उनकी खूब प्रशंसा की।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि बोर्ड एक पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और छात्र हितैषी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आग्रह किया कि शिक्षा और अध्ययन को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें और शिक्षा प्रणाली को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

सहायक सचिव ने व्यवस्थाओं की सुचारू कार्यप्रणाली की पुष्टि की।

Amar Ujala 11-02-2026

काउंसलिंग में आए अभ्यर्थियों को शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने करवाया लंच

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण की काउंसलिंग का आयोजन मंगलवार से शुरू हुआ। 12 फरवरी तक चलने वाली इस काउंसलिंग में प्रदेश के विभिन्न जिलों में चल रहीं निजी डाइट संस्थानों में रिक्त सीटों को भरा जाएगा।

काउंसलिंग के दौरान मानवीय संवेदनाओं की एक मिसाल भी देखने को मिली। प्रदेश के दुर्गम और दूर-दराज के क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने वहां उपस्थित सभी परीक्षार्थियों के लिए दोपहर के भोजन का प्रबंध किया।

विशेष बात यह रही कि भोजन की इस व्यवस्था का पूरा खर्च डॉ. शर्मा ने स्वयं वहन किया। अध्यक्ष के इस निर्णय का बोर्ड मुख्यालय पहुंचे युवाओं ने खूब प्रशंसा की। ब्यूरो

डीएलएड काउंसिलिंग का दूसरा राउंड अभ्यर्थियों को मिला एक और मौका

अनंत ज्ञान

◆ बोर्ड अध्यक्ष ने निजी खर्च पर करवाई लंच की व्यवस्था

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण के दूसरे राउंड का आयोजन किया गया। इस विशेष काउंसिलिंग का उद्देश्य उन पात्र अभ्यर्थियों को एक और अवसर प्रदान करना है, जो शिक्षण क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर केवल व्यक्तिगत प्रगति का नहीं, बल्कि मेहनत और समर्पण के जरिए समाज सेवा की ओर कदम बढ़ाने का माध्यम है।

उन्होंने अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षक बनने के संकल्प को केवल रोजगार से न जोड़ें, बल्कि इसे समाज और प्रदेश निर्माण की एक बड़ी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। काउंसिलिंग के दौरान मानवीय संवेदनाओं की एक मिसाल भी देखने को मिली। प्रदेश के दुर्गम और दूर-दराज के क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने वहां उपस्थित सभी परीक्षार्थियों के लिए दोपहर के भोजन का प्रबंध किया। विशेष बात यह रही कि भोजन की इस व्यवस्था का पूरा खर्च डॉ. शर्मा ने स्वयं वहन किया। अध्यक्ष के इस निर्णय का बोर्ड मुख्यालय पहुंचे युवाओं ने खूब प्रशंसा की। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने राज्य सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए विश्वास दिलाया कि बोर्ड एक पूर्णत: पारदर्शी, निष्पक्ष और छात्र-हितैषी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने सभी भावी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा और अध्ययन को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें और भविष्य में हिमाचल प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सहायक सचिव ने व्यवस्थाओं की सुचारु कार्यप्रणाली की पुष्टि की।

Dev Bhoomi Mirror 11-02-2026

डीएलएड काउंसलिंग में पात्र अभ्यर्थियों को मिला दूसरा मौका, बोर्ड अध्यक्ष की मानवीय पहल ने जीता युवाओं का दिल

निशा/देवभूमि मिरर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण के दूसरे राउंड की काउंसलिंग का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष काउंसलिंग का उद्देश्य उन पात्र अभ्यर्थियों को एक और अवसर प्रदान करना रहा, जो शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षण क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं है, बल्कि मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ समाज सेवा की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प भी है। उन्होंने अभ्यर्थियों से आग्रह किया कि शिक्षक बनने के लक्ष्य को केवल रोजगार तक सीमित न रखें, बल्कि इसे समाज और प्रदेश निर्माण की

एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं। काउंसलिंग के दौरान मानवीय संवेदनाओं की एक सराहनीय मिसाल भी देखने को मिली। प्रदेश के दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने सभी उपस्थित परीक्षार्थियों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था करवाई। उल्लेखनीय है कि इस भोजन व्यवस्था का पूरा खर्च उन्होंने निजी स्तर पर स्वयं वहन किया, जिससे शिक्षा बोर्ड पर किसी प्रकार का वित्तीय भार नहीं पड़ा। अध्यक्ष की इस नई और अनोखी पहल की बोर्ड मुख्यालय पहुंचे युवाओं ने खुले दिल से प्रशंसा की और इसे छात्र-हितैषी सोच का प्रतीक बताया। डॉ. शर्मा ने राज्य सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए भरोसा दिलाया कि शिक्षा बोर्ड पारदर्शी, निष्पक्ष और विद्यार्थियों के हित में कार्य करने वाली व्यवस्था को पूरी निष्ठा के साथ सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने भावी शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा और अध्ययन को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें और भविष्य में हिमाचल प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सहायक सचिव ने काउंसलिंग के दौरान की गई व्यवस्थाओं की सुचारू कार्यप्रणाली की पुष्टि की।

Amar Ujala 11-02-2026

शिक्षा बोर्ड के सभी डिपो में 20 तक पहुंच जाएंगी किताबें

सत्र शुरू होने से पहले किताबें पहुंचाने की योजना

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को नई पुस्तकें उपलब्ध करवाएगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड नए सत्र के लिए किताबों की प्रिंटिंग प्रक्रिया को पूरा कर 20 फरवरी तक प्रदेश भर में चल रहे अपने डिपुओं में किताबें उपलब्ध करवा देगा।

ये किताबें शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन दोनों स्तर के स्कूलों के लिए एक साथ ही भेज दी जाएंगी, ताकि अप्रैल में नया सत्र शुरू होने से पहले किताबें विद्यार्थियों के हाथों में हों। जानकारी के अनुसार राज्य के ग्रीष्मकालीन स्कूलों में अप्रैल, जबकि शीतकालीन स्कूलों में फरवरी के अंत तक नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो जाएगा।

इसके चलते शिक्षा बोर्ड ने किताबों की प्रिंटिंग प्रक्रिया को पूरा कर लिया है और 20 फरवरी तक का समय सभी बुक डिपुओं में किताबों को उपलब्ध करवाने के

अप्रैल में स्कूल शुरू होते ही नई पुस्तकें पढ़ सकेंगे छात्र

लिए रखा है। उल्लेखनीय है कि नए शैक्षणिक सत्र की किताबों में इस बार कई बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान जहां चौथी से लेकर आठवीं कक्षा तक के सिलेबस में बदलाव किया गया है, वहीं अन्य कक्षाओं में भी एनसीईआरटी की किताबों को शुरू किया जा रहा है।

वहीं इस संदर्भ में स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि बोर्ड ने किताबों की प्रिंटिंग का कार्य कर लिया है। किताबों को 20 फरवरी तक बोर्ड के बुक डिपुओं में पहुंचा दिया जाएगा, ताकि समय पर किताबें विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा सकें।